

**आभासीन वि.** (तत्.) 1. जो मात्र आभास रूप में ही दिखाई देता हो, बहुत हल्का 2. चमकीला।

**आभासी प्रतिबिंब पुं.** (तत्.) भौ. परावर्तन के पश्चात् अभिसरण करती हुई प्रतीत होने वाली किरणों से बना प्रतिबिंब जैसे- समतल दर्पण में बना प्रतिबिंब (वर्टिकल इमेज) विशेषतः इसे आभासी कहते हैं क्योंकि दर्पण में दायाँ भाग बायाँ और बाँया भाग दायाँ दिखता है विलो. वास्तविक प्रतिबिंब।

**आभास्वर वि.** (तत्.) पूर्णरूप से अर्थात् आभासित होने वाला स्वर, द्युतिमान, चमकीला, तेजोमय पुं. एक देववर्ग।

**आभिचारिक वि.** (तत्.) दूसरे के अहित में, मंत्र-पाठ या तांत्रिक कर्म करने वाला व्यक्ति पुं. अभिचार के निमित्त पड़े जाने वाले मंत्र।

**आभिजात्य पुं.** (तत्.) अभिजात (कुलीन) होने का भाव या दशा। 1. कुलीन, संभ्रांत अथवा सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित वंश से संबद्धता 2. कुलीनों के (लक्षण, गुण, संस्कार)।

**आभिजात्यवाद पुं.** (तत्.) दर्शन. [आभिजात्य+वाद] 1. साहित्य सृजन की वह प्रवृत्ति, जिस में उच्च समाज का ही ध्यान रखा जाता है 2. उच्च शिक्षा में उपयोगी पाठ्य पुस्तकों के लेखन की प्रवृत्ति 3. यूनानी और रोमी महान कृत्तियों के अनुकरण पर लिखने की प्रवृत्ति शास्त्रवाद classism

**आभिजित वि.** (तत्.) अभिजित नक्षत्र में उत्पन्न होने वाला या उससे संबंध।

**आभिधानिक वि.** (तत्.) 1. शब्दकोश में लिखित, जो किसी शब्द कोश में हो 2. जिस का संबंध शब्दकोश से हो 3. कोशकार।

**आभिप्रायिक वि.** (तत्.) 1. ऐच्छिक 2. प्रयोजनगत।

**आभिमुख पुं.** (तत्.) [आभि+मुख] आमने-सामने होने की अवस्था, अभिमुख होने की अवस्था, आमना-सामना।

**आभिरामिक वि.** (तत्.) 1. सुंदर 2. प्रिय।

**आभिहारिक वि.** (तत्.) 1. छल या बलपूर्वक लिया हुआ 2. उपहार में दिया हुआ पुं. भेंट, उपहार।

**आभीर पुं.** (तत्.) 1. अहीर, ग्वाला, गोप 2. एक जनपद का नाम 3. एक राग जिसे भैरवराग का पुत्र कहा जाता है 4. एक छंद जिसमें 11 मात्राएँ और एक जगण होता है।

**आभीरक वि.** (तत्.) आभीर या अहीर-संबंधी पुं. अहीर जाति।

**आभीरपल्ली स्त्री.** (तत्.) अहीरों की बस्ती।

**आभीरी स्त्री.** (तत्.) 1. अहीरिन 2. अहीरों की बोली 3. एक संकर रागिनी जो देशकार, कल्याण, श्याम और गुर्जरी को मिलाकर बनाई गई है, अबीरी 4. भाषा. भारत में दूसरी या तीसरी शताब्दी में प्रचलित एक प्राचीन भाषा जो पंजाब में बोली जाती थी और जो छठी शताब्दी में अपभ्रंश के नाम से प्रसिद्ध हुई।

**आभुक्ति स्त्री.** (तत्.) [आ+भुक्ति] 1. आभोग करने की क्रिया 2. भोगने की क्रिया 2. किसी सुख अथवा सुविधा का वह लाभ जो पहले से प्राप्त हो।

**आभूत वि.** (तत्.) 1. उत्पन्न 2. अस्तित्ववाला।

**आभूषण पुं.** (तत्.) 1. गहना, जेवर, आभरण, अलंकार 2. सजावट, शृंगार।

**आभूषित पुं.** (तत्.) भूषणयुक्त, अलंकृत, शोभित।

**आभृत (तत्.)** 1. अच्छी तरह से भरा हुआ 2. बँधा हुआ, जकड़ा हुआ 3. उत्पादित।

**आभेरी स्त्री.** (तत्.) एक रागिनी।

**आभोग पुं.** (तत्.) 1. सीमा 2. भोग-विलास, तृप्ति, सुखानुभव 3. किसी वस्तु को लक्षित करनेवाली बातों की विद्यमानता 4. किसी पद्य के बीच में कवि के नाम का उल्लेख 5. भोगने की स्थिति।

**आभोगी वि.** (तत्.) 1. भोगनेवाला 2. भोजन करने वाला।